

नीलकंठ पे बैठे भोले | Anup Saawariya

नीलकंठ पे बैठे भोले भांग धतूरा खाये रे
काले काले नाग गले में लहर लहर लहराए रे
नीलकंठ पे बैठे भोले

एक हाथ त्रिशूल विराजे दूजे डमरू बाजे
तन बागम्बरी छाला पहनी माथे चंदा साजे
नीलकंठ पे बैठे भोले भांग धतूरा खाये रे
काले काले नाग गले में लहर लहर लहराए रे
नीलकंठ पे बैठे भोले

जय शिव शंकर जय गंगाधर महादेव कैलाशी
काल भी तेरे डर से कांपे अजर अमर अविनाशी
नीलकंठ पे बैठे भोले भांग धतूरा खाये रे
काले काले नाग गले में लहर लहर लहराए रे
नीलकंठ पे बैठे भोले

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a8%e0%a5%80%e0%a4%b2%e0%a4%95%e0%a4%82%e0%a4%a0-%e0%a4%aa%e0%a5%87-%e0%a4%ac%e0%a5%88%e0%a4%a0%e0%a5%87-%e0%a4%ad%e0%a5%8b%e0%a4%b2%e0%a5%87-anup-saawariya/>